संख्या 20 / 1024 /चार-2015-17(बजट)2009

प्रेषक,

अनीता सी0 मेश्राम
सचिव
उत्तर प्रदेश शासन

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय उ0प्र0,
जवाहर भवन, लखनऊ।

संस्कृति अनुभाग: लखनऊ: दिनांक 18 मार्च, 2015

विषय:-अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या, फैजाबाद को 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधान के सापेक्ष द्वितीय किश्त की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-2388/सं0नि-20 (यू0सी0)/2014, दिनांक 09 दिसम्बर 2014 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या, फैजाबाद को 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधान के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में शासनादेश संख्या-1637(1)/चार-2014-17(बजट)2009, दिनांक 20 अगस्त,2014 द्वारा धनराशि रू0 59.35 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की गयी थी। तदनुक्रम वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या , फैजाबाद के लिए आयोजनेत्तर पक्ष में अनुदान संख्या- 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) में द्वितीय किश्त के रूप में अवशेष धनराशि रू0 118.70 लाख के सापेक्ष 50 प्रतिशत धनराशि रू0 59.35 लाख (रू0 उन्नसठ लाख पैतीस हजार मात्र) की श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते है।

2- उक्त स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन प्रदान की जाती है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और स्वीकृत मदों पर ही व्यय की जायेगी, अन्य मदों अथवा व्यय की नई मदों पर व्यय हेतु कदापि उपयोग नहीं की जायेगी और स्वीकृत धनराशि में से यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा । यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि इन धनराशियों का प्रदेशन ही अकेले किसी प्रकार के व्यय करने का अधिकार नहीं देता, व्यय करने के लिए बजट मैनुअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों अथवा अन्य स्थाई आदेशों से शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की, जहॉ आवश्यकता हो, व्यय करने के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। उक्त आहरित धनराशि को बैंक/पोस्ट आफिस में जमा नहीं की जायेगी। उपर्युक्त स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग के मितव्यता सम्बन्धी आदेशों तथा व्यय पर नियंत्रण के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- यह सुनिश्चित किया जायेगा कि संस्थान को अवमुक्त होने वाली धनराशि वित्तीय वर्ष 2014-15 के अन्तिम माह में व्यय होने वाली धनराशि की सीमा तक आहरित की जायेगी और संस्थान की आडिट रिपोर्ट में यदि कोई अनियमितता है तो उसका निस्तारण कर वित्त विभाग को अवगत कराया जायेगा।

4- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक 22 जुलाई, 2014 में दिये गये दिशा निर्देशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गई शर्तो की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानको (स्टैण्डर्ड्स आफ फाइनेशियल प्रोप्राइटरी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

5- उपर्युक्त स्वीकृति से सम्बन्धित व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या- 92- के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2205- कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर- 101- ललित कला शिक्षा-17- अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या को अनुदान-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-ई-7-225 /दस-2015,दिनांक 13 मार्च ,2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(अनीता सी0 मेश्राम)
सचिव।

संख्या- 20 / 1024 (1)/चार-2015 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार, (लेखा व हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 इलाहाबाद।
2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 इलाहाबाद।
3- वित्त नियंत्रक, संस्कृति निदेशालय , उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान अयोध्या फैजाबाद।
6- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-7/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/नियोजन अनुभाग-4
7- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री।
8- बेव अधिकारी, संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 जवाहर भवन लखनऊ ।
9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से ,

(मणीन्द्र शर्मा)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in